सिटी एंकर

गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा के जरिए ऊर्जा स्वराज को जनआंदोलन बनाएंगे

पेट्रोल, डीज़ल, एलपीजी, सीएनजी सहित ऊर्जा के साधनों का उपयोग आज से ही बंद करें, तब 2050 में कार्बन नेट जीरो होगी धरती

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

पाकिस्तान में दो सूबे हैं सिंध और पंजाब। दोनों पड़ोसी राज्य हैं। हाल ही में अपनी यात्रा के दौरान ओमान के एक अखबार में मैंने पढ़ा कि इन दोनों राज्यों में गेहूं कि फसल एक साथ खराब हो गई। एक राज्य में बाढ़ की वजह से और दूसरे राज्य में सूखे की वजह से। क्या अब भी हमें कोई संशय है कि हम प्रकृति के सिस्टम को इस कदर बिगाड़ चुके हैं कि एक ही समय में दो विपरित मौसम हमें देखने को मिल रहे हैं। इंटरगर्वन्मेंटल पेनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिपोर्ट कहती है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण तापमान एक डिग्री

से बढ़ चुका है। इसे हमें 1.5 पर रोकना होगा वरना हम अपने ही घर यानी धरती पर नहीं रह सकेंगे। यदि धरती को नेट कार्बन जीरो बनाना है यानी कार्बन उत्सर्जन पूरी तरह से रोकना है तो हमें आज से ही पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, एलपीजी, सीएनजी सहित ऊर्जा के उन सभी रूपों का उपयोग पूरी तरह बंद करना होगा। हर उस व्यक्ति को सोलर एनर्जी को ही ऊर्जा के प्रमुख स्रोत के रूप में अपनाना होगा जो कार्बन उत्सर्जन कर रहा है। यह बात आईआईटी बाम्बे के प्रोफेसर चेतन सोलंकी मंगलवार को कही।

पूरी दुनिया को सौर ऊर्जा के महत्व के बारे से अवगत करवाने के लिए प्रो. चेतन सोलंकी ग्लोबल गांधी सोलर यात्रा निकाल रहे हैं। दुनिया के 30 से ज्यादा देशों में घूमने के बाद वे अब भारत के 50 से ज्यादा भारतीय शहरों में ये यात्रा लेकर जाएंगे। इसी सिलसिले में वे मंगलवार को शहर में थे। आईआईटी इंदौर सहित शहर के अन्य कॉलेजों में उन्होंने छात्रों को संबोधित किया।

ऊर्जा स्वराज की जरूरत

उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की तरह गैर पारंपरिक ऊर्जा की जरूरत को लोगों तक पहुंचाने के लिए आज ऊर्जा स्वराज की जरूरत है। हर उस व्यक्ति को इस आंदोलन से जुड़ना होगा जिसे ऊर्जा की जरूरत है। यात्रा के जरिए हम आने वाली पीढ़ी को भी सौर ऊर्जा के महत्व से अवगत करवा रहे हैं ताकि कम उम्र में ही वे इसे अपना सकें। पूरी यात्रा के दौरान अब तक 63 छात्रों को सोलर लैम्प का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

Dainik Bhaskar (Indore), 14th August 2019, City Bhaskar, Page-17